राष्ट्रीय सीमेन्ट तथा भवन-निर्माण सामग्री परिषद में वैज्ञानिकों को परेशान किया जाना

2139. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ;

(क) क्या यह सच है कि 1991 के दौरान अभी तक लगभग 20 वैज्ञानिक राष्ट्रीय सीमेन्ट तथा भवन-निर्माण सामग्री परिषद छोड़ गए हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को हाल ही में राष्ट्रीय सीमेंट तथा भवन-निर्माण सामग्री परिषद् द्वारा परेशान किये जाने संबंधी कोई शिकायत प्राप्त हुई है ; और

(घ) यदि हां, तो उस पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० जे० कुरियन) : (क) राष्ट्रीय सीमेंट तथा भवन-निर्माण सामग्री परिषद् से प्राप्त हुई सूचना के अनुसार जनवरी, 1991 से इंजीनियर तथा वैज्ञानिक श्रेणी के 19 अधिकारी इस संगठन को छोड़ गए हैं ।

(ख) राष्ट्रीय सीमेंट तथा भवन-निर्माण सामग्री परिषद् के कर्मचारियों की सूची में वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों सहित लगभग 350 कर्मचारी हैं । छोड़ गये 19 अधिकारियों की संख्या कुल कर्मचारियों की संख्या का लगभग 5.2% है । योग्यता प्राप्त कार्मिकों के लिए उद्योग में उपलब्ध रोजगार के अवसरों को देखते हुए ,छोड़ कर जाने वालों की यह संख्या असामान्य नहीं है ।

(ग) और (घ) राष्ट्रीय सीमेंट तथा भवन-निर्माण सामग्री परिषद् के प्रबंधकों के विरुद्ध एक कर्मचारी से शिकायत प्राप्त हुई थी । इसकी जांच करने के बाद यह निर्णय लिया गया कि सरकार को इस शिकायत पर आगे कार्रवाही करने की आवश्यकता नहीं है ।

लघु उद्योग

2140. **श्री विश्वासराव रामारावपाटिल** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कुल कितने लघु उद्योग हैं तथा उनमें से कितने लघु उद्योग बन्द पड़े हैं;

(ख) उसके क्या कारण हैं तथा क्या सरकार द्वारा इस संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया गया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० जे०कुरियन):(क)से(ग) राज्य/संघशासित क्षेत्र उद्योग निदेशालयों में 31-12-1990 की स्थिति के अनुसार स्थायी आधार पर पंजीकृत और लघु उद्योग विकास संगठन (सिडो) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले लघु एककों की कुल संख्या का अन्तिम रूप से अनुमान लगभग 13.78 लाख लगाया गया है ।

राज्य/संघ शासित क्षेत्र उद्योग निदेशालयों में 31-3-1988 को पंजीकृत लघु उद्योग एककों, जिनमें लगभग 1 लाख ऐसे एकक शामिल हैं, की गणना विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय द्वारा राज्य/संघ शासित क्षेत्र उद्योग निदेशालयों के निकट सहयोग से की गई है ।

लघु औद्योगिक एकक, जिसमें गणना के दौरान बन्द पाए गए एकक भी शामिल हैं, के आंकड़ों को एकत्र करने का काम इस समय प्रगति पर है ।